PRIDE OF SGRR ATUL JOSHI HONOURED

इसरो की वैज्ञानिक चयन परीक्षा में उत्तराखंड का बेटा टॉपर

इनसे सीखें

देहरादून | वरिष्ठ संवाददाता

उत्तराखंड के प्रतिभाशाली बेटे अतुल जोशी देश के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संगठन इसरो के लिए आयोजित वैज्ञानिक चयन परीक्षा के टॉपर बन गए हैं। बिना कोचिंग के सफलता का आसमान छू लेने वाले अतुल हजारों होनहारों के लिए अब नजीर बन चुके हैं। इस कामयाबी से पहले भी वे गेट और इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। ग्राफिक एरा से बीटेक अतुल को शुक्रवार को यूनिवर्सिटी ने सम्मानित किया।

दून के केदारपुरम निवासी अतुल जोशी के पिता संतोषानन्द जोशी इलेक्ट्रिशियन का काम करते हैं। अतुल ने बताया कि उन्होंने अपने स्कूल की पढ़ाई एसजीआरआर रेसकोर्स से पूरी की। इसके बाद इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा एआईट्रिपलई दी, लेकिन उसमें कोई अच्छा सरकारी कालेज नहीं मिल सका। उन्होंने बीटेक के लिए ग्राफिक एरा में एडमिशन ले लिया। यहां से बीटेक करने के बाद गेट परीक्षा में 99.93 परसेंटाइल हासिल कर एमटेक के लिए आईआईटी में दावेदारी की। अभी वे दिल्ली आईआईटी से एमटेक कर रहे हैं। अतुल ने बताया कि उन्होंने इसरो साइंटिस्ट इंजीनियर्स परीक्षा के लिए आवेदन किया और इसकी गंभीरता से तैयारी शुरू की। हालांकि इसके लिए उन्होंने कोई कोचिंग नहीं ली। अतुल ने बताया कि इस परीक्षा में उन्हें टॉप टेन में आने की उम्मीद थी, लेकिन वे देशभर में पहली रैंक हासिल करने में कामयाब रहे। कुछ दिन पहले ही उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज परीक्षा में भी 34वीं रैंक हासिल की थी। इस कामयाबी के बाद दून पहुंचे अतुल का ग्राफिक एरा विवि के अध्यक्ष प्रो. कमल घनशाला समेत स्टॉफ और छात्रों ने जोरदार स्वागत किया।

•आईआईटी को निहारते रह गए थे अतुल : पेज-08

इनसे सीखें

- दून के होनहार अतुल जोशी ने हासिल की देश में पहली रैंक
- बीटेक के बाद दी थी इसरो साइंटिस्ट-इंजीनियर्स परीक्षा

देश की टॉप पांच आईआईटी से आयी थी कॉल

इंटरमीडिएट के बाद अतुल ने आईआईटी में जाने का सपना देखा था, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह कोचिंग नहीं ले सके और कामयाबी नहीं मिली, लेकिन बीटेक करने के बाद उन्होंने गेट परीक्षा में ऐसा स्कोर हासिल करके दिखाया कि सब हैरान रह गये। 99.93 परसेंटाइल हासिल करने के बाद उन्होंने देश की सर्वश्रेष्ठ समझी जाने वाली कानपुर, खड़गपुर, मद्रास, दिल्ली और रुड़की आईआईटी में इंटरव्यू दिए। खास बात यह रही कि उन्हें सभी पांच आईआईटी ने एमटेक में एडमिशन का ऑफर दिया।

एक लाख में से सिर्फ 30 चुने

इस परीक्षा में एक साल में एक स्ट्रीम में सिर्फ 30 लोगों का चयन किया जाता है। जिस इलेक्ट्रानिक्स की स्ट्रीम में अतुल ने हिस्सा लिया, उसमें इस साल एक लाख से ज्यादा आवेदक थे। इनमें देश की तमाम आईआईटी के छात्र शामिल थे।

बचपन का सपना हकीकत बनने पर हुए भावुक, बिना कोचिंग के आईआईटी पूरा करके दिखाया

दिल्ली आईआईटी को निहारते रह गये थे अतुल

देहरादून | वरिष्ठ संवाददाता

दून के अतुल जोशी को वह दोपहर कभी नहीं भूलती। गेट में शानदार स्कोर के बाद वे उस दिन दिल्ली आईआईटी में इंटरव्यू को गये थे। वहां जाते ही वे यह सोच कर भावुक हो उठे कि इस बिल्डिंग में पढ़ने का सपना वे दस साल से देख रहे थे। अतुल पांच मिनट तक बिल्डिंग को ही निहारते रहे। वजह थी कि सपना पूरा करने को उन्हें कई चमत्कार जैसी उपलब्धियां हासिल करनी पड़ी थीं।

इसरो में ज्वाइन करना तय

अतुल ने इसी साल इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज में भी कामयाबी हासिल की है, लेकिन वे इसरो में ही जाना चाहेंगे। अतुल ने बताया कि वे जुलाई माह में इसरो ज्वाइन करने जा रहे हैं, क्योंकि इससे उनका रिसर्च में जाने का सपना पूरा होगा।

इसरो की चयन परीक्षा में पहली रैंक हासिल करने वाले अतुल ने दसवीं करते हुए ही आईआईटी का सपना देखना शुरू कर दिया था। बारहवीं के दौरान वे चुपके से शहर के कई कोचिंग इंस्टीट्यूट में यह पता करने गये कि फीस कितनी है। लेकिन रकम सुनकर उनकी हिम्मत जवाब दे जाती। अतुल ने बताया कि उन्होंने कभी कोचिंग के बारे में परिवार वालों से पूछा भी नहीं। ग्राफिक एरा से बीटेक करते हुए भी उन्होंने चार साल तक ट्यूशन पढ़ाकर काम चलाया। इसके बाद भी उनके सारे दोस्त गेट की तैयारी को कोचिंग कर रहे थे, लेकिन अतुल को यह नसीब नहीं था। उस समय उनकी छोटी बहन की शादी थी। लेकिन अतुल ने गेट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। 99.73 परसेंटाइल स्कोर के बाद उन्होंने देश की पांच आईआईटी कानपुर, खड़गपुर, मद्रास, दिल्ली और रुड़की में इंटरव्यू दिया। खास बात यह है कि इन पांचों आईआईटी से उन्हें एडमिशन ऑफर हुए।

अतुल का होगा सम्मान

देहरादून। इसरो की चयन परीक्षा में देशभर में पहली रैंक हासिल करने वाले होनहार अतुल जोशी को एसजीआरआर एजुकेशन मिशन सम्मानित करेगा। अतुल ने कक्षा 12 तक की पढ़ाई एसजीआरआर रेसकोर्स से ही की थी।

एसजीआरआर एजुकेशन मिशन ने अतुल से फोन पर सम्पर्क किया। एसजीआरआर एजुकेशन मिशन के चेयरमैन महंत देवेन्द्र दास ने अतुल जोशी के चयन पर बधाई दी। प्रवक्ता भूपेंद्र रतूड़ी ने बताया कि मई में अतुल के दून आने पर उन्हें स्कूल सम्मानित करेगा।